चिट्ठियों की अनूठी दुनिया

प्र. 1) दिए गए प्रश्नोंके तीन से चार वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) पत्रों की अहमियत तीन से चार वाक्य में लिखें।

पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस का संदेश नहीं दे सकता। राजनीति, साहित्य तथा कला के क्षेत्र में नयी घटनाओं में इन सबकी जड़ पत्र होते हैं। भारत में रोज़ साढ़े चार करोड़ चिट्ठियां डाक में डाली जाती हैं, इससे यह साबित होता है, की हमारे जीवन में पत्रोंकी क्या अहमियत है।

आ) पत्रों को सही दिशा देने के लिए कौनसे प्रयास किए गए?

पत्रों को सही दिशा देने के लिए स्कूल के पाठ्यपुस्तक में पत्रलेखन इस विषय को शामिल किया गया है। विश्व डाक संघ ने अपनी ओर से भी काफी प्रयास किए। 16 से कम आयुवर्ग के बच्चों के लिए पत्रलेखन प्रतियोगिता आयोजित कि गयी। यह प्रयास किए गए।

इ) अंग्रेजों ने जो पत्र अपने परिजनों को लिखें उनसे क्या पता चलता है?

अंग्रेजों ने जो पत्र अपने परिजनों को लिखें वह आज़ादी के पहले महासंग्राम के दिनों में लिखे गए हैं। यह पत्रोंकी पुस्तिका बनाई गई है। इनसे यह पता चलता है की यह संग्राम कितनी ज़मीनी मजबूती लिए हुआ था।

ई) म. गांधी अपने लिए आए पत्रोंका जवाब कैसे देते थे?

म. गांधी जी को दुनिया भर से पत्र आते थे। पत्र मिलने के तुरंत बाद ही वे पत्र का जवाब देते थे। जवाब देते देते उनका दाहिना हाथ दर्द करने लगता तो वे बाएँ हाथ से पत्र लिखा करते। इस तरह से गांधीजी अपने लिए आए पत्रोंका जवाब देते थे।

उ) पत्र व्यवहार का विकास कबसे चालू हुआ था?

पत्र व्यवहार की परंपरा भारत में बहुत पुरानी है, लेकिन इसका असली विकास आजादी के बाद से शुरू हो गया है।

ऊ) खतों का इंतजार किस-किस को रहता है?

शहरी इलाका, झोपडपट्टी, गाँवमें, हवेलियों में रहने वाले लोगोमें, समुहतट के मछुआरों मे, रेगिस्तान की ढाणियों में रहने वाले लोग,

पहाड़ी लोग इन सबमें आज मोबाईल हाथ में होने के बावजूद खत का इंतजार रहता है।

ए) डाकिया को देवदूत के रूप में क्यों देखा जाता है?
करोड़ो लोग खतों और अन्य सेवाओं के लिए डाकघरों के दरवाजे तक जाते हैं। गरीब घरों में चुल्हे मनीआर्डर के अर्थव्यवस्था की वजह से ही जलते हैं। यह मनीआर्डर डाकिया हर घर में पहुँचा देता है। इसिलिए डाकिया को देवदूत के रूप में लोग देखते हैं।

प्र.२) दिए गए वाक्य सही या गलत वह लिखें।
अ) पत्र जैसा संतोष फोन या एसएमएस के संदेश में नही होता। सही
आ) रोज ज्यादा से ज्यादा सौ पत्र हम भेजते हैं। गलत
इ) पत्रव्यवहार सिर्फ उर्दु भाषा में किया जाता है। गलत
ई) स्कूल के पाठ्यक्रम में पत्र यह विषय सम्मिलित किया है। सही
उ) बीस वर्ष से अधिक उम्र वाले व्यक्तियों के लिए पत्र लिखने कि प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। गलत
ऊ) हमारे सैनिक पत्रोंका इंतजार करते हैं। सही
ए) म. गांधी के पास दुनियाभर से तमाम पत्र आते थे। सही
ऐ) डाकिया को देवदूत के रूप में देखा जाता है। सही

प्र.३) योग्य क्रियाओं का उपयोग करके रिक्त स्थानों की पूर्ती करें।
अ) हम बच्चें मैदान में खेलने जाते हैं। (खेलने, सोने)
आ) मैं पेपर लिख रही हूँ। (लिख, रो)
इ) माँ खाना खा रही थी। (चलना, खा)
ई) छोटे बच्चे रो रहे हैं। (कमाना, रोना)
उ) हम सब पहाड़ पर चलके जा रहे हैं। (उडके, चलके)
ऊ) माँ कहानी सुना रही है। (सुना, उछल)
ए) बाबा हमे पढ़ा रहे थे। (बका, पढ़ा)

प्र.४) विलोम अर्थ वाले शब्द लिखें।
अ) सहेजना × बिखेरना
आ) सही × गलत
इ) शोकना × शुरु करना
ई) तेजी × मंदी
उ) विकास × ह्रास
ऊ) स्वतंत्र × परतंत्र

प्र.प) शब्दोंका वाक्य में प्रयोग करें।

अ) पत्र-लेखन - पत्र लेखन एक कला है।

आ) डाक - हम रोज हजारों-करोडो चिट्ठिया डाक के माध्यम से एक दुसरे को भेजते है।

इ) प्रयास - हमे जीवन में यशस्वी होने के लिए प्रयास करने होंगे।

ई) प्रतियोगिता - हमारी पाठशाला में महिने में एक प्रतियोगिता रखते है।

उ) इंतजार - माँ अपने बच्चों का इंतजार कर रही थी।

ऊ) जवाब - म.गांधी उनके पत्रों का जवाब खुद के हाथ से ही लिखते थे।

ए) डाकिया - डाकिया घर-घर जाकर पत्र पहुँचाने का काम करता है।

प्र.घ) आप दुसरे शहर में पढ़ाई के लिए रह रहे हो। तो अपने कुशल मंगल के विषय में अपनी माँ को पत्र लिखें।

कु. राधा वसंत कुलकर्णी
ए. रामेश्वर कॉलोनी
जमशेदपुर
03/02/2023

पुज्य मातोजी
चरण स्पर्श, प्रणाम

माँ आप कैसी हो...? बाबा कैसे है...? मैं यहाँ ठिक हूँ, पढ़ाई भी अच्छी चल रही है। जब हॉस्टल रहने आयी थी तो डर लग रहा था लेकिन अब सब अच्छा है। मास्तरजी भी अच्छी तरह से पढ़ाते है। सबकुछ समझ आता है। यहा रहकर नयी-नयी जगह के बारें में जानने की कोशिश कर रही हूँ। आप मेरी चिन्ता न करें। अपना ध्यान रखें। आपको और बाबा को नमस्कार, छोटी को बहुत प्यार।

आपकी बेटी
राधा